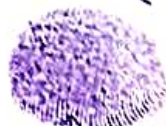


19-9-24 फ़ावली पेशा दुर्घा उभयपक्ष उपास्थित। वादी सं. 4, जो वादी सं. 1 से 3 की संरक्षक भी है, की ओर से प्रकरण विद्रो (प्रत्याहरण) करने बाबत प्रार्थना-पत्र पेशा किया। वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र अनुसार उपरोक्त प्रकरण में वादीगण के हितों अनुसार राजीनामा हो चुका है, इस कारण उपरोक्त प्रकरण में किसी प्रकार का अनुतोष ~~कोष~~ नहीं रहा है। इसलिए उक्त प्रकरण को वादीगण आगे चलाना नहीं चाहते हैं।

वादी सं. 4 जो वादी सं. 1 से 3 की संरक्षक भी है, स्वयं उपास्थित, जिसकी पहचान वकील वादी द्वारा की गई। वादी ने पहचान स्वरूप आधार कार्ड सं. 49516760 4107 की स्वहस्ता-क्षरित प्रती पेश की।

Sd/-, Advocate
for Plaintiff
Dr. K. S. K. K.
Dr. K. S. K. K.



20.10.2024



फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी

मुकाम-रूपनगढ़ जिला अजमेर


गुंजन

बनाम

महावीर

किस्म मुकदमा :- 88, 188 R.T.A. च

नंबर 38. वर्ष 2024

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>हमने वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र पर वादी एवं वकील वादी को सुना। तदनुसार वादी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर दावा जरिये विंड्रोल खारिज किया जाता है। पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।</p> <p> उपखण्ड अधिकारी रूपनगढ़ (अजमेर)</p>	